रोहित को शानदार रहे साल 2019 में वर्ल्ड कप नहीं जीत पाने का मलाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कटक। शानदार फॉर्म में चल रहे भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ओपनर रोहित शर्मा का मानना है कि साल 2019 में वह अपनी बल्लेबाजी को बेहतर समझ पाए हैं लेकिन वनडे वर्ल्ड कप नहीं जीत पाने का उन्हें मलाल है। सीमित ओवरों में भारतीय टीम के उपकप्तान ने इस साल विभिन्न फॉर्मेट को मिलाकर 10 शतक समेत 2442 रन बनाकर श्रीलंका के सनथ जयसूर्या का रेकॉर्ड तोड़ा। रोहित ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में पारी की शुरुआत भी की और दमदार प्रदर्शन करते हुए 1 दोहरा शतक भी जड़ा। रोहित ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में 'मैन ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार भी जीता। रोहित ने कहा, 'यह साल बहुत अच्छा रहा। वर्ल्ड कप जीतते तो और बेहतर होता लेकिन पूरे साल टीम के रूप में हर फॉर्मेट में हम अच्छा खेले। मैं अपनी बल्लेबाजी का पूरा मजा ले रहा हूं और यह सिलसिला यहीं नहीं रुकेगा। अभी आने वाला साल काफी रोमांचक है।' वर्ल्ड कप–2019 में 5 शतक जमा चुके रोहित ने कहा, 'अब मैं अपनी बल्लेबाजी को बखूबी समझ रहा हूं।

जडेजा की बल्लेबाजी में सुधार टीम के लिए काफी अहमः गांगुली

पैट कमिंस को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 15.50 करोड़ में खरीदा

क्रिकेट

मैच में अहम मौके पर 31 गेंद में 39 रन की पारी खेली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। रविंद्र जडेजा की वेस्ट इंडीज के खिलाफ कटक में खेली गई महत्वपूर्ण पारी से प्रभावित बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि इस हरफनमौला खिलाड़ी की बल्लेबाजी में सुधार भविष्य में भारतीय टीम के लिए काफी अहम होगा। एकदिवसीय क्रिकेट में 11 अर्धशतक लगा चुके जड़जा ने रविवार को खेले गए मैच में अहम मौके पर 31 गेंद में 39 रन की पारी खेली जिससे भारतीय टीम वेस्ट इंडीज के खिलाफ मैच और सीरीज अपने नाम करने में सफल रही। गांगुली ने बीसीसीआई को टैग करते हुए ट्वीट किया, 'एक और जीत। दबाव के क्षण में अच्छी बल्लेबाजी के लिए बधाई। बल्ले से जडेजा के प्रदर्शन में सुधार काफी अहम है।' जडेजा को लेकर गांगुली की संतुष्टि समझी जा सकती है क्योंकि करियर की शुरूआत में उन पर आखिरी ओवरों में बड़े शॉट खेलने में नाकाम करने का आरोप लगते रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में हालांकि उनमें बदलाव आया है और उन्होंने एकदिवसीय में 2000 से ज्यादा (2188) रन बनाए है जबकि टेस्ट में उनके बल्ले से 1844 रन आए है। उन्होंने टेस्ट में एक शतक और 14 अर्धशतक भी लगाए हैं।

दुनिया को नहीं खुद को साबित करना है कि वनडे खेल सकता हूं: रविंद्र जडेजा

कटक। सीरीज के आखिरी मैच में नाबाद 39 रन बनाने वाले भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने कहा कि उन्हें दुनिया को नहीं, बल्कि खुद को साबित करना है कि वह वनडे क्रिकेट खेल सकते हैं। जडेजा सीमित ओवरों की टीम का नियमित हिस्सा नहीं थे लेकिन इंग्लैंड में वनडे विश्व कप से पहले योजना का हिस्सा बने। जडेजा ने कहा, 'मुझे खुद को साबित करना था कि मैं अभी भी सीमित ओवरों का क्रिकेट खेल सकता हूं। मुझे दुनिया में किसी को कुछ साबित नहीं करना था।' अपनी पारी के बारे में उन्होंने कहा, 'यह काफी अहम पारी थी क्योंकि यह निर्णायक मैच था। विकेट बल्लेबाजी के लिए उम्दा था। हमें बस गेंद को भांपकर खेलना था।'

भारत में सुरक्षा के मामले में पाकिस्तान से ज्यादा खतराः पीसीबी अध्यक्ष

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

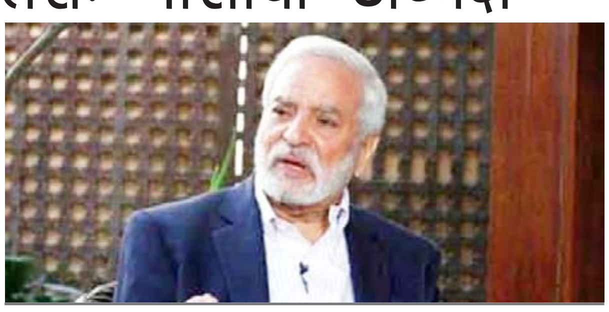

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष एहसान मनी ने श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के खत्म होने के बाद सोमवार को कहा कि भारत में उनके देश से 'अधिक सुरक्षा खतरा' है। श्रीलंका की क्रिकेट टीम पर 2009 में हुए आतंकवादी हमले के 10 साल बाद पाकिस्तान ने घरेलू सरजमीं पर टेस्ट सीरीज का आयोजन किया। इस दौरान किसी भी बड़ी टीम ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया।

मनी ने 'क्रिकेट पाकिस्तान डॉट कॉम डॉट पीके' से कहा, 'हमने यह साबित किया कि पाकिस्तान सुरक्षित है, अगर कोई टीम यहां नहीं आ रही है तो उसे साबित करना होगा कि पाकिस्तान असुरक्षित है। आज के समय में पाकिस्तान की तुलना में भारत में सुरक्षा का ज्यादा खतरा है।'

आईसीसी के इस पूर्व अध्यक्ष ने श्रीलंका के पाकिस्तान दौरे को महत्वपूर्ण मोड़ करार दिया। उन्होंने कहा, 'श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के सफल आयोजन के बाद अब किसी को भी पाकिस्तान में सुरक्षा व्यवस्था पर संदेह नहीं करना चाहिए। यह पाकिस्तान में टेस्ट क्रिकेट के पुनरुद्धार के लिए महत्वपूर्ण मोड़ है। दुनिया भर में पाकिस्तान की सकारात्मक छवि बनाने में मीडिया और प्रशंसकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।' पाकिस्तान को अब तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और दो टेस्ट मैचों के लिए जनवरी में बांग्लादेश की मेजबानी करनी है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों ने हालांकि कहा है कि वे सुरक्षा करणों से पांच दिवसीय मैच नहीं खेलेंगे।

इस साल भी प्रशासन और खिलाड़ियों के बीच विवाद से जूझता रहा भारतीय टेनिस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नयी दिल्ली। सुमित नागल ने रोजर फेडरर से एक सेट छीनकर भारतीय टेनिस को यादगार पल जरूर दिया लेकिन पूरे साल प्रशासन और खिलाड़ियों के मतभेदों के चलते कोर्ट के भीतर का प्रदर्शन हाशिये पर ही रहा। नागल के लिये यह सपने सरीखा था जब दुनिया के महानतम खिलाड़ियों में शुमार फेडरर से अमेरिकी ओपन के पहले दौर में उन्होंने एक सेट जीता। वह हालांकि यह मुकाबला जीत नहीं सके। हरियाणा के इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने वह कर दिखाया जो भारतीय टेनिस में सिर्फ अमृतराज, कृष्णन, लिएंडर, भूपति और सानिया जैसे खिलाड़ी ही कर सके थे। नागल ने इस साल ब्यूनस आयर्स में खिताब जीता और एक टूर्नामेंट में उपविजेता रहे। चौलेंजर सर्किट में वह छह टूर्नामेंटों के सेमीफाइनल तक पहुंचे । साल की शुरूआत में उनकी रैंकिंग 340 थी जो आखिर में 130 हो गई। भारतीय टेनिस में कोर्ट के बाहर का ड्रामा बदस्तूर जारी रहा। पाकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले को लेकर यह चरम पर पहुंच गया। महेश भूपति की अगुवाई में शीर्ष खिलाड़ियों ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था।

न्यूज डायरी

चलना–फिरना भी हो गया था मुश्किल, कायरन पोलार्ड बने भगवान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कटक। वेस्ट इंडीज के बल्लेबाज निकोलस पूरन चार साल पहले दुर्घटना में इतने चोटिल हो गए थे कि छह महीने तक वह चलने में भी असमर्थ थे, ऐसे में कायरन पोलार्ड अभिभावक की तरह उनकी मदद के लिए आए। दुर्घटना के समय पूरन की उम्र लगभग 20 साल की थी और पोलार्ड की हौसलाअफजाई ने उनके लिए ऐसी दवा का काम किया कि वह एकदिवसीय क्रिकेट में टीम के इस मौजूदा कप्तान के सबसे अहम सिपाही में से एक हो गए हैं। भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के तीन मैचों में उन्होंने 23 गेंद में 29, 47 गेंद में 75 और 64 गेंद में 89 रन की पारियां खेलकर कप्तान के भरोसे को सही साबित किया। पूरन ने कहा पोलार्ड को शुक्रिया अदा करते हुए कहा, 'वह मेरे लिए बड़े भाई, पिता तुल्य है।

कतर इंटरनैशनल कपः राखी ने वेटलिफ्टिंग में बनाए 2 नैशनल रेकॉर्ड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दोहा। भारतीय महिला वेटलिफ्टर राखी हलदर ने यहां कतर इंटरनैशनल कप में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के साथ महिलाओं के 64 किग्रा वर्ग में दो नए राष्ट्रीय रेकॉर्ड अपने नाम किए। कॉमनवेल्थ चौंपियनशिप की गोल्ड मेडलिस्ट ने स्नैच और कुल भार में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय रेकॉर्ड कायम किया। उन्होंने रविवार रात को स्नैच में 95 किग्रा और क्लीन ऐंड जर्क में 123 किग्रा के साथ कुल 218 किग्रा का भार उठाया। राष्ट्रमंडल चौंपियनशिप में इस भारतीय खिलाड़ी ने 214 किग्रा (94किग्रा120किग्रा) के भार के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। भारतीय खिलाड़ियों ने रजत स्तर की इस ओलिंपिक क्वॉलिफाइंग स्पर्धा में कुल तीन पदकों के साथ अपने अभियान को समाप्त किया। पूर्व विश्व चौंपियन मीराबाई चानू ने गोल्ड जबकि युवा जेरेमी लालरिंनुंगा ने सिल्वर मेडल हासिल किया था।

सिंधु ने जीता स्वर्ण, बैडमिंटन के नए भविष्य के रूप में उभरे लक्ष्य

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। देश की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने इस साल वर्ल्ड चौंपियनशिप में गोल्ड मेडल जरूर जीता लेकिन बाकी पूरे साल खराब प्रदर्शन से जूझती रहीं। युवा लक्ष्य सेन भारतीय बैडमिंटन के लिए मिली जुली सफलता वाले वर्ष 2019 में भविष्य की उम्मीद बनकर उभरे। दो सिल्वर और दो ब्रॉन्ज मेडल के बाद सिंधु ने भारत को विश्व चौंपियनशिप में पहला गोल्ड दिलाया। हालांकि वह इस फॉर्म को दोहरा नहीं सकीं। स्विट्जरलैंड में विश्व चौंपियनशिप से भारत को दो पदक मिले। सिंधु के अलावा बी साई प्रणीत ने प्रकाश पादुकोण के पदक जीतने के 36 साल बाद पुरुष एकल वर्ग में ब्रॉन्ज जीता। युगल वर्ग में सात्विक साईराज रांकिरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने थाइलैंड ओपन सुपर 500 खिताब जीता और फ्रेंच ओपन सुपर 750 के फाइनल में पहुंची। सुपर 500 खिताब जीतने वाली यह पहली भारतीय जोड़ी बनी।

श्रीलंका को हराकर पाक ने जीत के साथ एक दशक बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पाकिस्तान ने दस साल बाद घरेलू सरजमीं पर टेस्ट क्रिकेट में वापसी का जश्न मनाते हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट में श्रीलंका को 263 रन से हराकर सीरीज 1–0 से जीत ली। पाकिस्तान को पांचवें और आखिरी दिन श्रीलंका के आखिरी तीन विकेट लेकर मैच जीतने के लिए 14 मिनट और 16 गेंद लगीं। श्रीलंका की टीम दूसरी पारी में 212 रन पर आउट हो गई। पाकिस्तान ने रविवार को श्रीलंका के सामने जीत के लिए 476 रन का लक्ष्य रखा था। सुबह उसने सात विकेट पर 212 रन से आगे खेलना शुरू किया। नसीम शाह ने पांच विकेट लिए जो 16 बरस 307 दिन की उम्र में यह कारनाम करने वाले दूसरे सबसे युवा गेंदबाज बने। पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर नसीम उल गनी के टेस्ट क्रिकेट में पांच विकेट लेने वाले सबसे युवा गेंदबाज हैं।